A.B.M. COLLEGE , JAMSHEDPUR

(PHILOSOPHY HONORS)

SEMESTER III (Set 3)

INDIAN ETHICS – PAPER CC -5 :-TOPIC – JAIN ETHICS (जैन धर्म)

By DR SONI SINHA (DEPT OF PHILOSOPHY) A.B.M.COLLEGE

बहुविकल्पीय प्रश्न

- प्रश्न (1) जैन धर्म के अन्तिम तीर्थकर थे ?

(1) महावीर

(2) ऋषभदेव

(3) पार्श्वनाथ

(4) इनमें से कोई नहीं

- प्रश्न (2) जैन नीति दर्शन के अनुसार संसार है ?

(1) नित्य

(2) अनित्य

(3) (1) और (2)

(4) इनमें से कोई नहीं

- प्रश्न (3) जैन दर्शन के त्रिरत्न है ?

(1) सम्यक दर्शन , सम्यक ज्ञान , सम्यक अज्ञान ,

(2) सम्यक दर्शन , सम्यक ज्ञान , सम्यक निरोध ,

(3) सम्यक ज्ञान , सम्यक दर्शन , सम्यक चरित्र ,

(4) सम्यक दर्शन , सम्यक संकल्प , सम्यक चरित्र ,

- प्रश्न (4) निम्नलिखित में से कौन जैन दर्शन के रत्नत्रय में सम्मिलित नहीं है ?

(1) सम्यक दर्शन (2) सम्यक ज्ञान (3) सम्यक वाक् (4) सम्यक चरित्र

- प्रश्न (5) जैनियों के पंचमहाव्रत में निम्नलिखित में से कौन समाहित नहीं है ?

(1) अहिंसा

(2) सत्य

(3) अस्तेय

(4) दान

- प्रश्न (6) निम्नलिखित में से कौन से एक दर्शन में अहिंसा एक महाव्रत के रूप में सम्मलित है ?

(1) बौद्ध

(2) मीमांसा

(3) जैन

(4) वेदान्त

लघु उत्तरीय प्रश्न

- प्रश्न 1 जैन अणुव्रत का वर्णन करें ?
- प्रश्न 2 जैन महाव्रत का संक्षेप में चर्चा करें ?
- प्रश्न 3 जैन दर्शन में सम्यक दर्शन क्या व्याख्या करें ?
- प्रश्न 4 जैन दर्शन में सम्यक चरित्र का वर्णन करें ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 जैन दर्शन के अनुसार त्रिरत्न की सविस्तार व्याख्या करें ?

प्रश्न 2 जैन दर्शन के अनुसार पंचमहाव्रत की व्याख्या करें ?